हिन्दी अध्ययनशाला

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम

सत्र 2020-21

पूर्णांक – 100

भाग 1 – शोधप्रविधि

अंक – 50

1 शोध का स्वरूप

शोध–व्युत्पत्ति, अर्थ एवं स्वरूप; शोध के पर्याय : अनुसंधान, गवेषणा, अन्वेषण, अनुशीलन आदि। समीक्षा, खोज एवं शोध का अंतर और समन्वित रूप।

शोध का प्रयोजन और प्रकार।

साहित्यिक शोध–उसके भेद, प्रवृत्ति और विशेषताएँ।

शोधक– व्यक्तित्व और अर्हताएँ।

निर्देशक– व्यक्तित्व और अर्हताएँ

2 शोध की प्रक्रिया

विषयचयन और उसकी प्रणालियाँ, विषय की रूपरेखा, सामग्री–संकलन,संकलित तथ्यों और सामग्री का परीक्षण, संयोजन, व्यवस्थापन और विभिन्न अध्यायों के अनुरूप उसका संग्रथन।

3 शोध प्रबन्ध और उसके अंग –

अनुक्रमणिका, भूमिका, अध्याय लेख (शोधप्रबन्ध के अध्याय), उपसंहार, परिशिष्ट, शुद्ध टंकण।

उद्धरण – नाम, लेखक, प्रकाशक, पृष्ठ, सन् तथा संस्करण

परिशिष्ट – संदर्भ ग्रंथ–सूची (आधार और सहायक ग्रंथ तथा पत्र–पत्रिकाएँ एवं अन्य)

4 पाठानुसंधान , भाषानुसंधान तथा लोकभाषा और लोकसाहित्य सम्बन्धी अनुसंधान

पाठानुसंधान : अर्थ और स्वरूप । पाठानुसंधायक की अर्हताएँ। पाठानुसंधान के सिद्धांत : सामग्री–संकलन, पाठचयन, पाठसुधार और उच्चतर आलोचना।

भाषा सम्बन्धी साहित्यिक और व्याकरणिक अनुसंधान। भाषा सम्बन्धी शैलीवैज्ञानिक अनुसंधान।

लोकसाहित्य के विविध रूप–लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य आदि।

मालवी लोकसाहित्य के विविध आयाम।

शिक्षा शास्त्र

5 हिन्दी साहित्य में शोध का इतिहास, समस्याएँ और सुझाव

भाग 2 – हिन्दी साहित्य अंक – 50

इकाई – 1 प्राचीन और मध्यकालीन काव्य

1 विद्यापति – कृति–परिचय, गीतिकला, श्रृंगारवर्णन, प्रतिपाद्य विषय : भक्ति अथवा श्रृंगार।
2 कबीर – कृति–परिचय, भक्तिपद्धति, दर्शन, रहस्य साधना, समाज–दर्शन, काव्यकला।
3 जायसी – कृति–परिचय, प्रबन्धयोजना, प्रेमभावना, लोकतत्त्व, रहस्यसाधना, विप्रलम्भ श्रृंगार, सौन्दर्य दृष्टि, रूपक तत्व।
4 सूरदास – कृति–परिचय, भक्तिपद्धति, वात्सल्यवर्णन, श्रृंगारवर्णन, प्रकृतिचित्रण, दर्शन, भ्रमरगीत, गीतिकला ।
5 तुलसीदास – कृति – परिचय, प्रबन्धयोजना, रसनिरूपण, समन्वयवाद, दर्शन, भक्तिपद्धति, प्रासंगिकता।
6 बिहारी – कृति – परिचय, श्रृंगारवर्णन, बहुज्ञता, सौन्दर्य दृष्टि, काव्यकला।
7 हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, गद्य–साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।
8 पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की विभिन्न काव्यधाराएँ, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और प्रमुख सूफी कवियों का अवदान।
9 राम और कृष्णकाव्य : प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य।
10 उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की विविध धाराएँ, प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ।

इकाई – 2 आधुनिक हिन्दी गद्य

1 स्कन्दगुप्त (जयशंकर प्रसाद) – प्रसाद की नाट्यसृष्टि, स्कन्दगुप्त : इतिहास और कल्पना, पात्रनिरूपण, राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चेतना , नाट्यशिल्प।
2 आधे अधूरे (मोहन राकेश) – मोहन राकेश की नाट्यसृष्टि, आधे अधूरे : पात्रनिरूपण, आधुनिकता बोध प्रयोगधर्मिता, नाट्यशिल्प।
3 गोदान (प्रेमचन्द) – प्रेमचन्द का उपन्यास संसार, गोदान : महाकाव्यात्मक उपन्यास की परिकल्पना, गोदान और भारतीय किसान, गोदान की पात्रयोजना (गोदान के प्रमुख चरित्र), गोदान में यथार्थ और आदर्श, शिल्प।
4 बाणभट्ट की आत्मकथा (हज़ारीप्रसाद द्विवेदी) – हज़ारीप्रसाद द्विवेदी का उपन्यास –संसार, बाणभट्ट की आत्मकथा : इतिहास और कल्पना, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आधुनिकता, प्रमुख पात्र, शिल्प।
5 हिन्दी के प्रमुख कहानीकार : प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, जैनेन्द्रकुमार, निर्मल वर्मा और कमलेश्वर।
6 हिन्दी के प्रमुख निबन्धकार : बालकृष्ण भट्ट, रामचन्द्र शुक्ल, हज़ारीप्रसाद द्विवेदी विद्यानिवास मिश्र और कुबेरेनाथ राय।
7 हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं –कहानी, उपन्यास, नाटक तथा निबन्ध का इतिहास।
8 संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा का विकास। हिन्दी आलोचना का उद्भव एवं विकास। स्त्री विमर्श और दलित विमर्श का परिचय।

इकाई – 3 भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु काव्य – प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति, साधारणीकरण।

अलंकार सिद्धांत और अलंकारों का वर्गीकरण।

रीति की अवधारणा और भेद।

वक्रोक्ति की अवधारणा और भेद

ध्वनि का स्वरूप और ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद।

औचित्य सिद्धांत और औचित्य के भेद।

हिन्दी कवि – आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन : लक्षण, काव्य परंपरा। हिन्दी आलोचना, की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : शास्त्रीय, व्यक्तिवादी/ सौष्ठववादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी और सौंदर्यशास्त्रीय।

अरस्तू : अनुकरण और विरेचन सिद्धान्त।

लोंजाइनस : कल्पना –सिद्धांत और ललित – कल्पना ।

टी. एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।

आई. ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ। संवेगों का संतुलन।

सिद्धांत और वाद : आभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद।

इकाई – 4 आधुनिक हिन्दी काव्य

1 मैथिलीशरण गुप्त : कृति–परिचय, साकेत के नवम सर्ग का काव्य – सौन्दर्य, विरहवर्णन, चरित्रचित्रण।
2 जयशंकर प्रसाद : कृति–परिचय, कामयानी : प्रबन्धविन्यास, चरित्रनिरूपण, रूपकतत्त्व, समरसता और आनन्दवाद, सौन्दर्यबोध।
3 सुमित्रानन्दन पंत – कृति – परिचय, प्रकृतिचित्रण, कल्पनाशीलता, सौन्दर्यचेतना, पंत की काव्यभाषा।
4 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – कृति – परिचय, निराला की प्रगतिचेतना, मुक्त छन्द, राम की शक्तिपूजा का काव्यसौन्दर्य, कुकुरमुत्ता ।
5 महादेवी वर्मा – कृति – परिचय, गीतिकला, विरहवर्णन, रहस्यवाद, सौन्दर्यबोध, काव्यकला।
6 सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' – कृति – परिचय, प्रयोगधर्मिता, असाध्यवीणा का काव्यसौन्दर्य।

7 गजानन माधव मुक्तिबोध – कृति – परिचय, समाजबोध, प्रगतिशील चेतना फैंटेसी, ब्रह्मराक्षस का काव्यसौन्दर्य।

8 भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

9 द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

10 छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

11 उत्तरछायावाद की विविध प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता। प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई – 5 भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा

भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषाविज्ञान का स्वरूप तथा अध्ययन की दिशाएँ – वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाग्यंत्र और उसके अंग

रूपविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारण और भेद। वाक्य की अवधारणा, और वाक्य के भेद।

अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन।

हिन्दी का भौगोलिक विस्तार, हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।